| तारीख हुक्म | हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज | नम्बर व तारीख अहम की जो इस हुक्म की तामिल में जारी किये |
|---|---|---|
| 3 3/18 | पत्रावली पेश। वकील अप्रार्थीगण उपस्थित। वकील अप्रार्थीगण को सुना गया। वकील अप्रार्थीगण ने अवगत करवाया की विवादित भूमि का विभाजन का वाद एक माननीय न्यायालय में विचाराधीन है जिसमें प्रार्थी द्वारा स्थगन जारी करवा रखा हुआ है इसलिए वाद पत्र के निस्तारण तक विभाजन होने के उपरान्त ही खाता स्वीकार किया जावे। वाद पत्र एवं पत्रावली के उपलब्ध दस्तावेजों का अवलोकन किया। प्रकरण में विवादित भूमि का विभाजन हेतु वाद एक न्यायालय में निर्णित है आदेश प्रभावी दि. 12/4/2018 जारी है। अतः विवादित भूमि तथा स्थगन आदेश जारी होने के कारण वाद पत्र के विचाराधीन रहते प्रार्थी द्वारा चाहा गया खाता को स्वीकृत किया जाना न्यायोचित नहीं पाता हूँ।<br><br>उपरोक्त विवेचन एवं विश्लेषण के आधार पर प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 A RTAct अस्वीकार किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार दाखिल दफ्तर हो।<br><br>आदेश सुनाया गया।<br><br>उप जिला कलेक्टर<br>श्री विजयनगर | |

Scanned by CamScanner